<u>पूर्वोत्तर रेलवे</u>

श्री निखिल पाण्डेय , वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक

के मार्गदर्शन

एवं

श्री दया शंकर, कार्यकुशलता अधिकारी
के निर्देशन में सम्पादित

''लखनऊ मण्डल के सिगनल विभाग के अंतर्गत ट्रालीमैन संवर्ग के कर्मचारी संख्या की समीक्षा'' विषय कार्याध्ययन।

द्वारा

एस0 के0 श्रीवास्तव
मुख्य योजना निरीक्षक

जी0 डी0 उपाध्याय
कार्यकुशलता निरीक्षक

कार्य कुशलता संगठन
पूर्वोत्तर रेलवे
गोरखपुर

कार्याध्ययन सं0 – एन0ई0 / 12 / 2018–19

मिसिल संख्या – प्र / 560 / 1 / 2018–19 / 12

****

अधिशासकीय सार

1.	क्रम संख्या	–	12
2.	कार्याध्ययन संख्या	–	एन0ई0 / 12 / 2018–19
3.	मिसिल संख्या	–	प्र / 560 / 1 / 2018–19 / 12
4.	विषय	–	''लखनऊ मण्डल के सिगनल विभाग के अंतर्गत ट्रालीमैन संवर्ग के कर्मचारी संख्या की समीक्षा'' विषय पर कार्याध्ययन।
5.	विभाग	–	सिगनल
6.	प्राधिकार	–	वउमप्र. महोदय द्वारा अनुमोदित कार्याध्ययन सूची 2018–19 के अनुसार।
7.	संदर्भित सीमायें:–	(1)	ट्रालियों की उपयोगिता का परीक्षण करना।
		(2)	ट्रालीमैनों की अनुकूलतम उपयोगिता देखते हुए ट्रालीमैनों के कार्यभार की समीक्षा करना।
		(3)	पर्यवेक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों से कार्याध्ययन के विभिनन पहलुओं पर औपचारिक विचार–विमर्श करना।
		(4)	कार्यभार की समीक्षा एवं विचार–विमर्श के उपरान्त आवश्यक ट्रालीमैनों की संख्या प्रस्तावित करना।
		(5)	प्रस्तावित एवं स्वीकृत ट्रालीमैनों की संख्या की तुलना करते हुए यथानुसार संस्तुति देना।
		(6)	पद्धति संवर्धन हेतु मल्टीस्कीलिंग अवधारणा के तहत सुझाव देना।

8.	स्वीकृत संख्या	–	30
9.	संस्तुति सारॉश	–	परिशिष्ट संख्या– II
10.	अभ्यर्पण हेतु पदों की संख्या	–	12
11.	वित्तीय बचत	–	रू0 **81.41 लाख** प्रतिवर्ष
12.	वितरण तिथि	–	जनवरी / 2019

******

अनुक्रमणिका

क्रम सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	आभार	I
2.	संस्तुति एवं सुझाव	II
3.	वित्तीय परिणाम	III
4.	**अध्याय – प्रथम**	
	प्रस्तावना एव संदर्भित सीमायें	1
5.	**अध्याय– द्वितीय**	
	संक्षिप्त कार्यभार एवं कर्मचारी संख्या का विवरण।	2–4
6.	**अध्याय– तृतीय**	
	आलोचनात्मक विश्लेषण एवं संस्तुतियॉं।	5–6

****

आभार

कार्याध्ययन दल श्रीमती विजय लक्ष्मी कौशिक, मण्डल रेल प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ, श्री दीपू श्याम, वरिष्ठ मंडल सिगनल इंजीनियर/लखनऊ के प्रति विशेष रूप से आभारी है, जिन्होंने कार्याध्ययन के सफल सम्पादन हेतु अपना बहुमूल्य मागर्दशन प्रदान किया।

कार्याध्ययन श्री एस. एन. पाण्डेय, सीसेइं/सिगनल /मुख्यालय एवं लखनऊ मंडल सीसेइं/सिगनल/गोरखपुर, बस्ती, गोण्डा, ऐशबाग के प्रति भी अपना गहन आभार व्यक्त करता है जिन्होंने कार्याध्ययन से संबंधित वॉछित सूचनाऍ एवं ऑकडें उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

****

(II)

संस्तुति एवं सुझाव

क्र0सं0	संस्तुति	मदसं0
1.	संस्तुति दी जाती है कि लखनऊ मण्डल के सिगनल विभाग के अधीन ट्रालीमैन ग्रेड पे – 1800/– के 12 पद जो आवश्यकता एवं कार्यभार से अधिक आंकलित किए गये हैं, को अभ्यर्पित किया जाये।	3.8
	सुझाव	
1.	कार्याध्ययन दल यह सुझाव देता है कि मंडल के विभागीय अधिकारी जिस किसी क्षेत्र में निरीक्षण या अन्य कार्यवश जायेगें तो उक्त क्षेत्र के सीसेइं/सिगनल के ट्रालीमैनों का उपयोग करेगें।	
2	जिस दिन ट्राली का संचलन नहीं होता है, उस दिन ट्रालीमैन संवर्ग के कर्मचारियों से कार्यालय तथा अन्य कार्य जो उनके अनुकूल हो लिया जा सकता है। अर्थात ट्रालीमैन संवर्ग के कर्मचारियों की अधिकतम उपयोगिता सुनिश्चित की जाये।	
3	कार्याध्ययन दल यह भी सुझाव देता है कि ट्रालीमैन संवर्ग के कर्मचारियों को, जहॉ तक सम्भव हो, उनके मुख्यालय से बाहर न भेजा जाये अगर उनके प्रभारी मुख्यालय में उपलब्ध हो। यदि आवश्यक हो तो इनके स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था किया जाये। क्योंकि सिगनल से संबंधित कार्य होतु उक्त क्षेत्र में कभी भी असामान्य परिस्थिति/दुर्घटना में प्रभावित स्थल तक जाने के लिए ट्रालीमैन का उपयोग किया जा सके।	

****

वित्तीय परिणाम

इस कार्याध्ययन में दी गयी संस्तुतियों के क्रियान्वयन के फलस्वरूप रेलवे को निम्नलिखित अनुमानित वार्षिक आवर्ती बचत प्राप्त होगी :–

क्र. सं.	पदनाम	ग्रेड–पे	पदों की सं.	प्रति पद मूल्य प्रतिमाह (रू.)	कुल मूल्य प्रतिमाह (रू.)	वार्षिक आवर्ती बचत (रू.)
1.	ट्रालीमैन	1800	12	56538	678456	8141472
योग						**8141472**

कुल वार्षिक आवर्ती बचत = रू0 एक्यासी लाख एक्तालिस हजार चार सौ बहत्तर मात्र।

****

अध्याय– प्रथम

1.0 प्रस्तावना, एवं विवेचना हेतु संदर्भित सीमायें :–

1.1 ऐसा कोई वाहन जिसे चार व्यक्ति आवश्यकता एवं परिस्थितिनुसार लाईन पर रख सके एवं आवश्यकता पड़ने पर लाईन से अलग कर/उठा कर रेलवे ट्रैक के किनारे रख सकें, ट्राली समझा जाता है।

1.2 भारतीय रेल में सिगनल विभाग के अधिकारी एवं पर्यवेक्षक के निरीक्षण कार्य हेतु मोटर/पुश ट्रालियों का प्रावधान किया गया है। प्रारम्भ में गाड़ियों की सीमित संख्या एवं मरम्मत की विधि अत्यन्त जटिल एवं पुरानी होने के कारण निरीक्षण कार्य की बार–बार आवश्यकता पड़ती थी जिससे ट्रालियों का संचलन निरन्तर होता रहता था। परन्तु नये तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिक मरम्मत पद्धति के कारण सिगनल ब्रेकडाउन पहले की तुलना में अपेक्षाकृत कम हो गये हैं। जिनका प्रभाव ट्राली संचलन पर भी पड़ा है।

1.3 अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों के निरीक्षण की आवधिक निरीक्षण हेतु ट्राली की आवश्यकता तथा ट्रालीमैन कोटि के कर्मचारियों की अधिकतम उपयोगिता एवं इनके मल्टीस्किलिंग के अंतर्गत इनसे लिये जा सकने वाले अन्य कार्य को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक महोदय ने ''लखनऊ मण्डल के सिगनल विभाग के अंतर्गत ट्रालिमैन संवर्ग के कर्मचारी संख्या की समीक्षा'' विषय पर कार्याध्ययन करने हेतु निर्देशित किया है।

1.4 तत्पश्चात कार्याध्ययन निम्न संदर्भित सीमा के अधीन सम्पन्न किया गया।

(1) ट्रालियों की उपयोगिता का परीक्षण करना।

(2) ट्रालीमैनों की अनुकूलतम उपयोगिता देखते हुए ट्रालीमैनों के कार्यभार की समीक्षा करना।

(3) पर्यवेक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों से कार्याध्ययन के विभिनन पहलुओं पर औपचारिक विचार–विमर्श करना।

(4) कार्यभार की समीक्षा एवं विचार–विमर्श के उपरान्त आवश्यक ट्रालीमैनों की संख्या प्रस्तावित करना।

(5) प्रस्तावित एवं स्वीकृत ट्रालीमैनों की संख्या की तुलना करते हुए यथानुसार संस्तुति देना।

(6) पद्धति संवर्धन हेतु मल्टीस्कीलिंग अवधारणा के तहत सुझाव देना।

****

अध्याय— द्वितीय

2.0 संक्षिप्त कार्यभार एवं कर्मचारी संख्या का विवरण :—

2.1 लखनऊ मंडल का सिगनल विभाग वरि0 मंडल सिगनल एवं दूसंचार इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के ओवरआल सुपरविजन में परिचालित होता है। इनके इस कार्य में सहयोग हेतु मंडल सिगनल एवं दूसंचार इंजीनियर पदस्थापित हैं एवं कार्य को सुचारू रूप से संचलन हेतु मंडल के विभिन्न मुख्यालयों पर सहायक मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर पदस्थापित किये गये हैं।

2.2 इस कार्याध्ययन में सीसेइं/सिगनल के गोरखपुर, बस्ती, गोण्डा एवं ऐशबाग इकाइयों को सम्मिलित किया गया है।

2.3 सीसेइं/सिगनल/गोरखपुर का कार्य क्षेत्र :—

क्र.सं.	सीसेइं	मुख्यालय	कहॉ से	कहॉ तक
1	सीसेइं/सिगनल इंचार्ज	गोरखपुर	गोरखपुर यार्ड	डोमिनगढ़
			गोरखपुर यार्ड	गोरखपुर कैन्ट
			गोरखपुर यार्ड	नौतनवा
			आनन्दनगर	बढ़नी
2	जेइं/सिगनल सेक्शनल	गोरखपुर	गोरखपुर यार्ड	गोरखपुर कैन्ट
3	सीसेइं/सिगनल सेक्शनल	गोरखपुर	गोरखपुर यार्ड	डोमिनगढ़
4	सीसेइं/सिगनल सेक्शनल	नकहा जंगल	नकहा जंगल	नौतनवां
5	जेइं/सिगनल सेक्शनल	आनन्दनगर	आनन्दनगर	बढ़नी

2.4 सीसेइं / सिगनल / बस्ती का कार्य क्षेत्र :—

क्र.सं.	सीसेइं	मुख्यालय	कहाँ से	कहाँ तक
1	सीसेइं / सिगनल इंचार्ज	बस्ती	बभनान	जगतबेला
2	जेइं / सिगनल सेक्शनल	बस्ती	बभनान	ओरवारा
3	जेइं / सिगनल सेक्शनल	सहजनवॉ	मुण्डेरवा	जगतबेला

2.5 सीसेइं / सिगनल / गोण्डा का कार्य क्षेत्र :—

क्र.सं.	सीसेइं	मुख्यालय	कहाँ से	कहाँ तक
1	सीसेइं / सिगनल इंचार्ज	गोण्डा	गोण्डा	बभनान
			गोण्डा	बढ़नी
			गोण्डा	बहराईच
			मनकापुर	अयोध्या
2	जेइं / सिगनल सेक्शनल	बलरामपुर	इटियाठोक	बढ़नी
3	जेइं / सिगनल सेक्शनल	गोण्डा	गोण्डा पश्चिम / गोण्डा मध्य	सुभागपुर
4	जेइं / सिगनल सेक्शनल	गोण्डा	गोण्डा पूर्व	मनकापुर
5	जेइं / सिगनल सेक्शनल	मनकापुर	मनकापुर	अयोध्या

2.6 सीसेइं / सिगनल / ऐशबाग का कार्य क्षेत्र :—

क्र.सं.	सीसेइं	मुख्यालय	कहाँ से	कहाँ तक
1	सीसेइं / सिगनल इंचार्ज	ऐशबाग	लखनऊ जं.	सीतापुर
			बादशाहनगर	गोमतीनगर
			सीतापुर	बुढ़वल
2	सीसेइं / सिगनल सेक्शनल	ऐशबाग	लखनऊ जं.	लखनऊ सिटी
3	सीसेइं / सिगनल सेक्शनल	डालीगंज	डालीगंज	सिधौली
4	सीसेइं / सिगनल सेक्शनल	सीतापुर	कमलापुर	सीतापुर
			सीतापुर	टीकेयूआर
5	जेइं / सिगनल सेक्शनल	विसवां	विसवां	सूड़ियामऊ

2.7 <u>ट्रालीमैन संवर्ग की स्वीकृत एवं वास्तविक संख्या</u> :—

क्र.सं.	इकाई	स्वीकृत सं.	वास्तविक सं.
1	सीसेइं / सिगनल / गोरखपुर	08	04
2	सीसेइं / सिगनल / बस्ती	07	02
3	सीसेइं / सिगनल / गोण्डा	07	04
4	सीसेइं / सिगनल / ऐशबाग	08	04
	योग	**30**	**14**

****

अध्याय– तृतीय

3.0 आलोचनात्मक विश्लेषण एवं संस्तुतियॉ :–

3.1 इस कार्याध्ययन में लखनऊ मंडल के सिगनल विभाग के निम्नलिखित सीसेइं/सिगनल इकाइयों को लिया गया है।

1. सीसेइं/सिगनल/गोरखपुर
2. सीसेइं/सिगनल/बस्ती
3. सीसेइं/सिगनल/गोण्डा
4. सीसइं/सिगनल/ऐशबाग

3.2 इस कार्याध्ययन में सिगनल विभाग के कार्यप्रणाली के संबंध में सभी संबंधित सीसेइं/सिगनल प्रभारियों से विस्तृत विचार–विमर्श किया गया है तथा कार्य करने के व्यवहारिक पहलुओं एवं भौतिक परिस्थितियों को भी दृष्टिगत रखा गया है।

3.3 इस कार्याध्ययन में विचार–विमर्श के दौरान यह संज्ञान में आया कि उक्त इकाइयों पर ट्राली का संचलन नगण्य के बराबर है। इसका कारण यह है कि ट्रालीमैनों की संख्या अर्प्याप्त है एवं दूसरा कारण यह है कि कार्यक्षेत्र विस्तृत होने के कारण ट्राली से निरीक्षण संभव नहीं हो पा रहा है। इसके स्थान पर संबंधित सीसेइं या तो सड़क मार्ग से या उपलब्ध ट्रेनों से जाकर संबंधित सेक्शन का निरीक्षण करते हैं।

3.4 लखनऊ मंडल के सभी सीसेइं/सिगनल इकाइयो पर एक पीकप मैटेरियल वान आउटसोर्स करके उपलब्ध कराया गया है। जो राउन्ड द क्लाक ड्राइवर के साथ संबंधित इकाई पर उपलब्ध रहता है। जिसका उपयोग संबंधित इकाई के पर्यवेक्षक किसी भी असमान्य एवं आपात परिस्थिति में कर सकते हैं।

3.5 उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखने के बावजूद कार्याध्ययन दल यह मानता है कि सभी सीसेइं/सिगनल इकाइयों पर उनके प्रभारी के पास/अधीन कम से कम एक ट्राली पूरी तरह कार्यशील अवस्था में तथा उसको चलाने हेतु कम से कम चार प्रशिक्षित ट्रालीमैन अवश्य उपलब्ध होने चाहिये ताकि सभी सिगनल गियरस एवं उपकरणों का गहन परीक्षण, देखभाल एवं मरम्मत कार्य सुचारू रूप से एवं निबार्ध तरीके से किया जा सके। सिगनल विभाग का कार्य गाड़ियों के संचलन एवं संरक्षा से सीधे संबंधित होता है। ट्राली का एक लाभ यह भी है कवे आसानी से रेल पथ के किसी भी भू–भाग पर पहॅुच सकती है।

3.6 **<u>कर्मचारी संख्या का आकंलन</u>** :— सिगनल विभाग के अन्तर्गत कार्य करने की परिस्थितियॉ, व्यवहारिक प्रेक्षण एवं पर्यवेक्षकीय विचार—विमर्श के आधार पर कार्याध्ययन दल सभी सीसेइं/सिगनल इकाइयों पर 01 ट्राली एवं उसके परिचालन हेतु 04 ट्रालीमैन प्रति इकाई प्रस्तावित करता है।

क्र.सं.	इकाई	प्रस्तावित सं.
1	सीसेइं/सिगनल/गोरखपुर	04
2	सीसेइं/सिगनल/बस्ती	04
3	सीसेइं/सिगनल/गोण्डा	04
4	सीसेइं/सिगनल/ऐशबाग	04
5	विश्रामदाता/अवकाशदाता	02
	योग	**18**

3.7 **<u>सरप्लस कर्मचारी संख्या</u>** :—

स्वीकृत संख्या	प्रस्तावित संख्या	सरप्लस संख्या
30	**18**	**12**

3.8 **<u>संस्तुतियॉ</u>** :—

कार्याध्ययन दल यह संस्तुति करता है कि लखनऊ मण्डल के सिगनल विभाग के अंतर्गत ट्रालीमैन संवर्ग के ग्रेड पे—1800/— के 12 पद जो आवश्यकता एवं कार्यभार से अधिक आंकलित किए गए है को, अभ्यर्पित किया जाय।

****